विनिर्माण क्रय प्रबंधक सूचकांक लगातार 10वें महीने 55 अंक के ऊपर बरकरार

उत्साहजनक: विनिर्माण क्षेत्र ने अक्तूबर में फिर रफ्तार पकड़ी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के विनिर्माण क्षेत्र की वृद्धि दर सितंबर के आठ महीने के निचले स्तर से अक्तूबर में सुधार के साथ 57.5 हो गई।

मौसमी रूप से समायोजित एचएसबीसी इंडिया विनिर्माण क्रय प्रबंधक सूचकांक यानी पीएमआई सितंबर में आठ महीने के निम्नतम स्तर 56.5 से बढ़कर अक्तूबर में 57.5 हो गया।

दूसरी ओर चीन की पीएमआई 50.30 अंक ही है। हालांकि अक्तूबर में चीन के पीएमआई में भी कुछ तेजी आई है। लेकिन कुल अंकों में यह भारत से पीछे रह गया है।

भारत में एचएसबीसी के मुख्य अर्थशास्त्री प्रांजुल भंडारी ने कहा, भारत के मुख्य विनिर्माण पीएमआई में अक्तूबर में काफी वृद्धि हुई है, क्योंकि अर्थव्यवस्था की परिचालन स्थितियों में व्यापक रूप से सुधार जारी है। तेजी से बढ़ते नए ऑर्डर तथा अंतरराष्ट्रीय बिक्री भारत के विनिर्माण क्षेत्र के लिए मजबूत मांग वृद्धि को दर्शाती है।

विशेषज्ञों का कहना है कि सूचकांक अभी भी 55 के ऊपर है, यह अच्छा संकेत है। यह लगातार 10वें महीने 55 के ऊपर बना हुआ है। पीएमआई के तहत 50 से ऊपर सूचकांक होने का मतलब उत्पादन गतिविधियों में विस्तार है जबकि 50 से नीचे का आंकड़ा गिरावट को दर्शाता है। पीएमआई को करीब 400 कंपनियों में क्रय प्रबंधकों को भेजे सवालों के जवाबों के आधार पर तैयार किया है।

खरीद में और बढ़त दर्ज हुई

मांग में सुधार के कारण खरीद में और बढ़त हुई। इस बीच, इनपुट डिलीवरी का समय लगातार आठवें महीने कम हुआ। सर्वेक्षण में निर्माण पूर्व कच्चे माल के भंडारण में पर्याप्त बढ़त के संकेत मिले हैं। इसके साथ ही उत्पादक भविष्य के उत्पादन की मात्रा को लेकर अधिक आशावादी दिख रहे हैं। 30 अक्तूबर को जारी किए गए कोर डेटा में आठ कोर उद्योगों का सूचकांक प्रदर्शित किया गया है। ये सूचकांक इंफ्रा सेक्टर का प्रतिनिधित्व करते हैं और उत्पादन सूचकांक में 40% का अधिभार रखते हैं।

मजबूत मांग से प्रदर्शन में तेजी

मजबूत मांग के कारण प्रदर्शन में तेजी आई। नए उत्पादों की शुरूआत और सफल विपणन पहलों ने बिक्री प्रदर्शन को बढ़ाने में मदद की। सितंबर के दौरान डेढ़ साल में सबसे कम वृद्धि के बाद नए निर्यात ऑर्डर में भी मजबूत वृद्धि देखी गई। एशिया, यूरोप, लैटिन अमेरिका और अमेरिका से नए अनुबंधों की सूचना मिली। कीमत के मोर्चे पर, अक्तूबर के आंकड़ों ने भारत के विनिर्माण क्षेत्र में मजबूत मुद्रास्फीति दबाव का संकेत दिया। माल उत्पादक अतिरिक्त कर्मचारी रखने के लिए भी अधिक इच्छुक थे।

दस में से एक कंपनी ने नई भर्ती की

व्यवसायों ने बताया कि नए उत्पाद और सफल मार्केटिंग अभियान बिक्री को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण कारक थे। मांग में इस वृद्धि से उत्पादन में वृद्धि हुई, जिसमें उपभोक्ता और निवेश वस्तुओं में विशेष रूप से मजबूत वृद्धि देखी गई। इस मांग को पूरा करने के लिए कंपनियों ने कच्चे माल की अपनी खरीद बढ़ा दी, जिससे आपूर्तिकर्ता इन जरूरतों को आसानी से पूरा करने में सक्षम हो गए। गतिविधि में इस वृद्धि ने विनिर्माण फर्मों में भर्ती को भी बढ़ावा दिया, जिसमें लगभग दस में से एक कंपनी ने नई नौकरी जोड़ने की सूचना दी।